



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—लेख 3—उपलेख (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 450] नई दिल्ली, बुधवार, अक्टूबर 11, 1972/आस्विन 19, 1894

No. 450] NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 11, 1972/ASVINA 19, 1894

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे इक यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

ORDER

New Delhi, the 11th October 1972

S.O. 653(E)/18FB/IDRA/72.—Whereas in exercise of the powers conferred by section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government, by its Order No. S.O. 333(E)/18A/IDRA/72, dated the 4th May, 1972, authorised the Indian Drugs and Pharmaceuticals Ltd., New Delhi (hereinafter referred to as the Authorised Controller) to take over the management of Smith, Stanistreet and Co. Ltd., Calcutta (hereinafter referred to as the said undertaking);

And whereas the Authorised Controller had taken over the management of the said undertaking on the 8th May, 1972;

And whereas the Central Government is satisfied that it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing fall in the volume of production of drugs and pharmaceuticals;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 18FB of the said Act, the Central Government hereby declares that—

- (a) the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force (to which the said undertaking is a party or which may be applicable to the said undertaking) immediately before the date of publication of this Order in the Official Gazette (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions); and
 - (b) all rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended.
2. This Order shall remain in force up to 10th day of October, 1973.

[No. F.4/2/72-CUC.]

K. S. BHATNAGAR, Jt. Secy.

श्रीग्रोगिक विकास मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर, 1972

का० आ० 653(भ) / 18वल/आई० डी० आर० ए०/72.—यतः उच्चोग (विकास और वित्तियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) को धारा 18-क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने, भारते आदेश सं० का० आ० 333 (ई) 18 ए/आई० डी० आर० ए०/72, तारीख 4 मई, 1972 द्वारा, इण्डियन इम्प्रेंजरीस्पूटिकल्स लिं०, नई दिल्ली (जिसे इसमें इसके पश्चात् प्राधिकृत तिवंत्रक कहा गया है) को स्थित, स्टीलस्ट्रीट एण्ड कं० लिं०, कलकत्ता (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त उपक्रम कहा गया है) का प्रबन्ध ग्रहण करते के लिए प्राधिकृत किया था ;

और यतः प्राधिकृत निवंत्रक, ने 8 मई, 1972 को उक्त उपक्रम का प्रबन्ध ग्रहण कर लिया था;

और यतः केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि शोषणियों और भेषजियों के उत्पादन के परिमाण में गिरावट को रोकने को दृष्टि से जारीधारण के हितों में ऐसा करना आवश्यक है।

यतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 18 च बा० न० उपवारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषणा करती है कि —

(क) इस भारते के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के ठीक पहले प्रवृत्त (दौकों और यिसीय संस्थाओं के प्रतिमूल दवियों से संबंधित से भिन्न) सभी संविशाओं, सम्पत्ति के हस्तान्तरण पक्षों, करारों, बंदीबस्तों, पंचाटों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों (जिसका उक्त उपक्रम एक पक्षकार है या जो उक्त उपक्रम पर लागू हो) का प्रबन्धन; और

(ख) उक्त तारीख के पूर्व प्रोद्भवत या उद्भव होने वाले सभी अधिकार, विज्ञेषाधिकार, वाध्यता और वायित्व, निलंबित रहेंगे।

2. यह आदेश 1973 के अक्टूबर के 10 दिन तक प्रवृत्त रहेगा।

[सं० फा० 4/2/72—सी० य० स००]

के० एस० भट्टाचार, संयुक्त सचिव।